



मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है।

इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है।

- बोधराज सीकरी





युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरीग

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-



21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा

कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा

पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा।

Email : thedailynewat@yahoo.co.in

दैनिक मेवात

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

मुम्बई । महाराष्ट्र में हनुमान चालीसा का पाठ शिर्षा एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके माध्यम पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इसमें युवा अधिक जुट रहे हैं। इसका प्रभाव भी युवाओं को संस्कारवान बनाने का एक महत्वपूर्ण निर्माण करना है। यह एक इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने महाराष्ट्र में अपने अभियान में कहा।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा विही कुटिया, सरदार रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर पर अलग-अलग मुख्यालय में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ करने महाराष्ट्र में हुआ तो महाराष्ट्र और अधिक धार्मिक धर्मनिरपेक्ष बन गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ हो रहा है, किया गया। इन स्थानों पर करीब 4 लोगों ने सहभागिता की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधित्व होने के तबे उनका यह कार्यक्रम चलता है कि वे समाज में नरित



निर्माण पर, संस्कारों के प्रकाशन के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पढ़ाए गए संस्कृत में निष्ठावान बनाने की आवश्यकता महाराष्ट्र संस्कृति में लाना ही उनका

उद्देश्य है। इसने उनके साथ काफी संस्कार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस विद्या में सफलता जरूर मिलेगी। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा विही कुटिया में

हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान नरेश देव कचुरिया प्रधान, इशानकुल अदलख, रमेश कुमार, अनिल कुमार, इरिषा रमा और युवावी प्रवीण कुमार को देखकर में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल श्रेष्ठ प्रधान, रमेश शीवर, चार अलग अलग श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान नरेशदेव शीवर, रमेश नरेशदेव शीवर, सुधाश गांधी ने बखुबी किया। सोलर, मंजीरी द्वारा गांधी रूप और संवैतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के तबे धर्मिंदर बजाव, रमेश कामरा, ओपी बजरा, किशोरी हुंदेका, रावत गोखई, नरोत्तम बजाव, नरोत्तम बजाव और रमेश बजाव का सहायनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले सप्ताह 21 पाठकों के लिए महाराष्ट्र की प्रत्येक जगह तक हो गई है। उस दिन उपस्थित मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अहमदनगर, श्री राम मंदिर इलाहाबाद में अखिलान किया जाएगा लोगों के जोश को देखते हुए यह निश्चितता चलता रहेगा।

दैनिक ट्रिब्यून

हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी

गुरुग्राम, 15 मार्च (निस)

मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इससे समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

● मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

● वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों



में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य

बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने

कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वयक प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजिरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृत संकल्पित : बोधराज

गुरुग्राम (एसएनबी)। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री ण्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर काम करें।

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरी

गुड़गांव, 15 मार्च (ब्यूरो): मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान



मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ कराने पहुंचे बोधराज सीकरी व उनके साथ मौजूद श्रद्धालु।

चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की।

बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है

कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी। सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया

- मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे
- वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ।

हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया।

गुड़गांव टुडे

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

- मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे।
- वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी।

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन



गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ करने के दौरान मंदिर में श्रद्धालु।

सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार

आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय,

भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की।

बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पारिवारिक संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथुरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी

प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रीवर प्रधान, उमेश ग्रीवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासुदेव ग्रीवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी हुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।



नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायानियर

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृत संकल्पित : बोधराज सोकरी



गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ करने के दौरान मंदिर में श्रद्धालु।

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान का विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सोकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन राशद से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है।

गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सोकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समर्पण के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि

युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निष्कलनकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सोकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कश्यपिया प्रधान, रघुमजल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, इरीश बर्गा और पुनर् प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रीवर प्रधान, उमेश गोक, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासुदेव ग्रीवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गांधी ने कसबू कीया। खेलकूद, मंजारे द्वारा गायत्री रूप और स्पीकमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर ब्रजराज, रमेश कामरा, ओमो कालरा, किशोरी दुईज, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का गाराहतीय योगदान रहा। बोधराज सोकरी ने बताया कि ऊंगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना करने शुरू हो गई है।

ओपन सर्फ

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

ओपन सर्फ/ विशेष संवाददाता
सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान को विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया।

21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार



किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को

पारचात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा

पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथुरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरिश्चंद्र वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार को देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल प्रोवर प्रधान, उमेश प्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का

■ वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

समन्वय प्रधान वासुदेव प्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। डोलक, मंजीर द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों को प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयपान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अजुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प -बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे
वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी



कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर

चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि ये समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका

उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान सहाय कथुरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रावर प्रधान, उमेश ग्रावर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वयक प्रधान वासुदेव ग्रावर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गावा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मेश बजाज, रमेश कामरा, ओषी कालरा, किशोरी हुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सहाय्यी योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

जगत क्रान्ति

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

✦ मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

जगत क्रान्ति ✦ एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का



अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100

बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति

से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल गोवर प्रधान, उमेश गोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासुदेव गोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया।

अमर भारती

777

एक उम्मीद

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरी मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बस्सई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ भरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन



● अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है।

प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ।

हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल शोवर प्रधान, उमेश शोवर, चार आठ भरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासुदेव शोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। खेलक, मंजीरे द्वारा गायत्री रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा,

गजेन्द्र गोसाईं, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सहायनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीमनगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

दैनिक उजाला आज तक

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरी

गुरुग्राम भगत शर्मा उजाला आज तक

मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में



हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक

भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी

प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रोवर प्रधान, उमेश ग्रोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासुदेव ग्रोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गावा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी हुड्डेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा।

ज्योति दर्पण

हिन्दी दैनिक

Website : www.jyotidarpan.com

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरी



गुरुदास। मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर सकारात्मक भी पड़ रहा है। इस अभियान को विशेषज्ञ यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। इससे भी युवाओं को संस्कारवान

बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिर में अपने सम्बोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान चले रहा है। पांच गिरी कुटिया,

बनारस रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर पाठ अठारह घण्टा प्रारंभ में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 का पाठ जब मंदिरों में हुआ तो महिला और अधिक धर्मपराय, धार्मिकता से गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थलों पर करीब 400

लोगों ने शिरकात की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को चरित्रवाचक संस्कृति में निःकांतकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति

में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सकारात्मक उत्तर मिलेगी। बोधराज सीकरी ने बताया कि पांच गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कपूरिया प्रधान, रघुनाथकल अदलखा, रमेश

कुमार, अजित कुमार, शरीश वर्मा और पुष्पाती प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का सभ्यत्वका राम लाल डोबर प्रधान, उमेश डोबर, पार अठारहा श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान बसंत देव डोबर, सचिव जयदेव कुमार, सुभाष नाथ ने संयोजित किया। डोलक,

संजीव द्वारा पापकी राय और सजीवमान तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। सपोषक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओरी कामरा, किशोरी दुर्गेमा, महेन्द्र योगी, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रघुनाथ बजाज का सहाय्यक रोलदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के दिन मंदिरों को प्रार्थना अर्पण शुरू हो गई है। इस दिन जयधाम मंदिर भीम नगर, सोरोनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोरों को देखते हुए वह निरंतर चलता रहेगा।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान
चालीसा के पाठ से
अधिकधिक युवा जुड़
रहे

वर्तमान समय में युवाओं
का चरित्र निर्माण बहुत
जरूरी

भारत सारथी

मुख्यपत्र। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कर्माई नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इसमें युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह पाठ इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संश्लेषण में कहा। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह में हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है।

गंगा गिरी कुदिया, बघाई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी-बीर की श्रद्धालु मंदिर पास अष्ट सख गुरुद्वारा में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-22 रात पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धार्मिक, पवित्रमय हो गया। इन तीन मंदिरों में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरावत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के बाद उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समर्थन के लिए काम करें।

उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से विकारकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ बाली संस्थाएं काम कर रही



हैं। उन्होंने कहा कि इस मितल में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुदिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कपूरिया प्रधान, श्यामकल अटलश, रमेश कुमार, अरिल कुमार, हरिज कर्मा और युवारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल शिवर प्रधान, उमेश शोका, भार अष्ट सख श्री श्रद्धालु मंदिर का समन्वयक प्रधान बलदेव शोका, सचिव खयदखल कुमार, दुभास गावा ने बखूबी किया। डोलक, पंचसिंहा हारा गावकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संश्लेषक के पाठ धर्मिंदर बजाज, रमेश बानरा, शोरी कातरा, किशोरी मुटैया, चमंड मोन्दा, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रंजय बजाज का सराहनीय योगदान रहा।

बोधराज सीकरी ने बताया कि भगले मंगलवार 21 फरवरी के दिन मंदिरों की प्राथना अग्री शुरू हो गई है। इस दिन बटवभाग मंदिर भोम नगर, योगीनाथ मंदिर अर्जुन नगर,



श्री राम मंदिर प्राताप नगर में आयोजन किया जाएगा। एखों के बोरा की देखते हुए यह मितलमिता चलता रहेगा।

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी



-मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे

-वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

गुरुग्राम। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कर्मा नहीं है, बल्कि इसके समान पढ़े पढ़ा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख कोषट्ठान सीकरी ने मंदिरों में अपने संघोदय में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। नया मिठी कुटिया, लार्ड रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर खाद अठ मल्ल गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ करताया गया। 21-24 रात पाठ जब मंदिरों में हुआ तो मंदिर और अधिक धर्मिय, सचिन्त्य हो गया। इस तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 3000 बार किया गया। इन सप्ताह पढ़ करीब 400 लोगों ने धिदकत की। कोषट्ठान सीकरी ने कहा कि समानलेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के बाद उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समान में चरित्र निर्माण पढ़, संस्कारों के समारोह के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पात्राल संस्कृति से निकलकर अपनी पौराणिक भवलीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसी उनके लक्ष्य वापसी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सफलता जरूर मिलेगी।

कोषट्ठान सीकरी ने बताया कि नया मिठी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान डाल देव कभुटिया प्रधान, अग्रामकल अहलदा, दमोड कुमाद, अमिल कुमाद, हरीश वर्मा और पुनाही प्रमोद कुमाद रवि देवदेव में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समारोहक डाल लाल चोख प्रधान, उमेश खोबर, पाद अठ मल्ल और कृष्ण मंदिर का समारोहक प्रधान कारदेव खोबर, सचिन् अग्रामकल कुमाद, सुभाष गारा ने बढ़ाई किया। सोलक, मजिद द्वारा गानगी रूप और संगीतमय उत्तों से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संगीतक के लोड धर्मिद गजान, दमोड कामर, ओमै काराकर, किशोरी टुटेन्ना, मनेद मोरार्द, जगदेवका गजान, नयोति धर्मा और दयमा गजान का सदादलीय संस्कारन रहा।

कोषट्ठान सीकरी ने बताया कि अगले सप्ताह 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आगी शुरू हो गई है। उस दिन उदयनार मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अजुन नगर, श्री राम मंदिर प्रसाद नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के मोह को दूरते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।





POLITICS

Bodhraj Sikri – युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प



VIRAL SACH

March 15, 2023

No Comments

6 4



2 minute read



Viral Sach : Bodhraj Sikri – मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिपा, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया।

इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सक्रियता जरूर मिलेगी।

हरियाणा की आवाज़

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प : बोधराज सीकरी

मंदिरों में हनुमान चालीसा के पाठ से अधिकाधिक युवा जुड़ रहे, वर्तमान समय में युवाओं का चरित्र निर्माण बहुत जरूरी

गुरुग्राम(राकेश)। मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही।

उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्ण मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश



के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय

संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन

में सफलता जरूर मिलेगी।

बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ

का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग्रेवर प्रधान, उमेश ग्रेवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग्रेवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। खेलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेन्द्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।

युवाओं को संस्कारवान बनाने के लिए हम कृतसंकल्प: बोधराज सीकरी



गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम मंदिरों में हनुमान चालीसा का पाठ सिर्फ एक धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि इसके समाज पर गहरा प्रभाव भी पड़ रहा है। इस अभियान की विशेषता यह है कि इससे युवा अधिक जुड़ रहे हैं। हमारा ध्येय भी युवाओं को संस्कारवान बनाकर उनका चरित्र निर्माण करना है। यह बात इस अभियान के प्रमुख बोधराज सीकरी ने मंदिरों में अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सप्ताह से हनुमान चालीसा पाठ का अभियान जारी है। गंगा गिरी कुटिया, बसई रोड, हनुमान मंदिर, मदनपुरी और श्री कृष्णा मंदिर चार आठ मरला गुरुग्राम में हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। 21-21 बार पाठ जब मंदिरों में हुआ तो माहौल और अधिक धर्ममय, भक्तिमय हो गया। इन तीन मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ 8100 बार किया गया। इन स्थानों पर करीब 400 लोगों ने शिरकत की। बोधराज सीकरी ने कहा कि समाजसेवी संस्थाओं में प्रतिनिधि होने के नाते उनका यह कर्तव्य बनता है कि वे समाज में चरित्र निर्माण पर, संस्कारों के समावेश के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति से निकालकर अपनी पौराणिक भारतीय संस्कृति में लाना ही उनका उद्देश्य है। इसमें उनके साथ काफी संस्थाएं काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मिशन में

सफलता जरूर मिलेगी। बोधराज सीकरी ने बताया कि गंगा गिरी कुटिया में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन प्रधान ब्रह्म देव कथूरिया प्रधान, श्यामकल अदलखा, रमेश कुमार, अनिल कुमार, हरीश वर्मा और पुजारी प्रमोद कुमार की देखरेख में हुआ। हनुमान मंदिर मदनपुरी का समन्वयक राम लाल ग़ोवर प्रधान, उमेश ग़ोवर, चार आठ मरला श्री कृष्ण मंदिर का समन्वय प्रधान वासदेव ग़ोवर, सचिव जयदयाल कुमार, सुभाष गाबा ने बखूबी किया। ढोलक, मंजीरे द्वारा गायकी रूप और संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संयोजक के नाते धर्मिंदर बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, किशोरी डुडेजा, गजेंद्र गोसाई, ज्योत्सना बजाज, ज्योति वर्मा और रचना बजाज का सराहनीय योगदान रहा। बोधराज सीकरी ने बताया कि अगले मंगलवार 21 फरवरी के लिए मंदिरों की प्रार्थना आनी शुरू हो गई है। उस दिन उदयभान मंदिर भीम नगर, गोपीनाथ मंदिर अर्जुन नगर, श्री राम मंदिर प्रताप नगर में आयोजन किया जाएगा। लोगों के जोश को देखते हुए यह सिलसिला चलता रहेगा।